

## संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वदिवानों तथा संस्थाओं का हुआ सम्मान

### चर्चा में क्यों?

29 अगस्त, 2023 को राजस्थान के संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने बड़िला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्यस्तरीय संस्कृत वदिवान समारोह में संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वदिवानों तथा संस्थाओं को सम्मानित किया।

### प्रमुख बदि

- समारोह में डॉ. कल्ला ने वभिग द्वारा प्रकाशित श्रावणी-पत्रिका (नवीन शक्तिानीति विशेषांक) का वमौचन भी किया गया।
- कार्यक्रम में संस्कृत साधना शखिर-सम्मान के लिये चयनित वदिवान पं. सांवर मल शर्मा को एक लाख रुपए पुरस्कार राशा और संस्कृत साधना सम्मान के लिये डॉ. दीरघराम रामस्नेही एवं डॉ. गजानन मशिर को 51-51 हजार रुपए की राशा के पुरस्कार दिये गए।
- संस्कृत-वदिवत्सम्मान के लिये डॉ. वशिम्भर दयाल जोशी, डॉ. शीतल चंद जैन, परो. (शरीमती) भगवती सुदेश, कौशलदत्त शर्मा, पं. गौरीशंकर शर्मा तथा डॉ. देवेन्द्र चतुर्वेदी को 31-31 हजार रुपए राशा पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। साथ ही, संस्कृत युवा प्रतभा से 12 वदिवानों को 21-21 हजार रुपए तथा मंत्रालयके सेवा सम्मान से 3 कार्मिकों को 11-11 हजार रुपए पुरस्कार स्वरूप प्रदान किये गए। वशिषिट सेवा सम्मान से 3 वदिवानों तथा भामाशाह परेरक सम्मान से एक व्यक्ती को पुरस्कृत किया गया।
- समारोह में राज्य में स्थित संस्कृत भाषा वशिवदियालयों, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रवेशिका तथा वरषिटोपाध्याय की परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाली छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। साथ ही, सर्वाधिक नामांकन एवं सर्वाधिक नवीन प्रवेश वाली प्रशस्तियोग्य संस्थाओं का सम्मान किया गया।
- संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार ने इस वर्ष में 20 नवीन संस्कृत महावदियालय खोले हैं, जसिसे युवाओं को संस्कृत भाषा में उच्च शिक्षा ग्रहण करने और रोजगार प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं।
- राज्य में 2 लाख से अधिक वदियार्थी संस्कृत भाषा में अध्ययनरत है। साथ ही, वभिग ने 30 नवीन प्राथमिक संस्कृत वदियालय खोले हैं।
- उन्होंने कहा कि बजट वर्ष 2023-24 में प्रदेश के प्रत्येक संस्कृत महावदियालय में योग एवं ध्यान केंद्र खोलने के लिये 465 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है।



